वर्ष : 7, अंक : 29-30 (संयुक्तांक)

जनवरी-जून 2024

हिन्दुस्तानी भाषा भारती

(भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार और संवर्धन को समर्पित त्रैमासिक पत्रिका)

"हिंदी है हम"

विशेषांक

भारतीय भाषा उत्सव

6 दिसम्बर 2023

विशेष :

ओड़िशा की साहित्य परम्परा

हिन्दुस्तानी भाषा भारती (त्रैमासिक पत्रिका) के प्रकाशित अंक

क्षेत्रीय भाषा, साहित्य, संस्कृति और लोक कलाओं पर केंद्रित विशेषांक

वर्ष : 7, अंक : 29-30 (संयुक्तांक)

हिन्दुस्तानी भाषा भारती

मूल्य : 30 रुपये

(भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार और संवर्धन को समर्पित त्रैमासिक पत्रिका)

सम्पादक
सुधाकर बाबू पाठक

प्रबन्ध सम्पादक : **विजय कुमार शर्मा**
परामर्श सम्पादक : **सुरेखा शर्मा**
संयुक्त सम्पादक : **राजकुमार श्रेष्ठ**
सह सम्पादक : **सागर समीप**
उप सम्पादक : **सरोज शर्मा**
: **सुषमा भण्डारी**
: **डॉ. सोनिया अरोड़ा**
: **शशि प्रकाश पाठक**
सम्पादकीय सलाहकार : **डॉ. वनीता शर्मा**
: **गरिमा संजय**
: **विनोद पाराशर**
वित्तीय सलाहकार : **राम सिंह मेहता**

कार्यालय :
हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी
3675, राजा पार्क, रानी बाग, दिल्ली-110034
ई-मेल : info@hindustanibhashaakadami.com
hindustanibhashabharati@gmail.com
वेबसाइट : www.hindustanibhashaakadami.com
सम्पर्क सूत्र : 09873556781, 09968097816

पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के अपने विचार हैं । प्रकाशक का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है ।

सभी विवादों का निपटारा दिल्ली/नई दिल्ली की सीमा में आने वाली सक्षम अदालतों और फोरमों में ही किया जाएगा ।

सम्पादन एवं संचालन पूर्णत: अवैतनिक और अव्यावसायिक है ।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक सुधाकर बाबू पाठक द्वारा स्वामी हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी ट्रस्ट, 3675, राजा पार्क, शकूर बस्ती, दिल्ली-110034 के लिए प्रकाशित और सन्नी प्रिन्टर्स, बी-234, नारायणा इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित ।

विषय सूची

शुभकामना संदेश 04

सम्पादकीय : 05
बच्चों को उच्च शिक्षा और प्राविधिक ज्ञान के साथ अच्छे संस्कार भी दीजिए

रिपोर्ट : 'भारतीय भाषा दिवस' के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' का आयोजन सम्पन्न 06

एक भारत-श्रेष्ठ भारत -डॉ. सच्चिदानन्द जोशी 09

माँ, मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं -प्रो. रामदेव भारद्वाज 10

रिपोर्ट : 'हिन्दुस्तानी भाषा काव्य प्रतिभा सम्मान' एवं 'गुलदस्ता-ए-गजल' पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम सम्पन्न 14

रपोर्ट : 'भारतीय भाषा उत्सव' के सफल आयोजन की खुशी में स्वयं सेवकों के सम्मान में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में 'आभार ज्ञापन एवं सम्मान कार्यक्रम' सम्पन्न 15

भारतीय भाषाओं का विकास एवं सम्मान -डॉ. महावीर सरन जैन 17

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं भारतीय भाषाएँ -अरिमर्दन कुमार त्रिपाठी 18

चमत्कार लोक भाषाओं का :
ओड़िशा की साहित्य परम्परा -अरुण कुमार उपाध्याय 19

हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं की अस्मिता -नीरज कृष्ण 27

भारत, भारतीय भाषाएँ और राष्ट्रीय विकास -प्रेमपाल शर्मा 29

भाषा आक्रमण आपत्ति और इष्टापत्ती -विजय प्रभाकर नगरकर 32

पूर्वोत्तर राज्यों का भाषा संसार और हिन्दी -संगीता कुमारी सहाय 33

पवारी बोली भाषा : इतिहास, वर्तमान तथा भविष्य -डॉ. ज्ञानेश्वर टेंभरे 35

बच्चों में मातृभाषाओं का हस्तांतरण -डॉ. दीनदयाल साहू 37

भारतीय अस्मिता की प्रतीक हिन्दी -माणक तुलसीराम गौड़ 39

'भाषा-विमर्श : माटी के शब्द बचें तो बचें कैसे!' -डॉ. रघुनाथ पाण्डेय 41

युवाओं में पनपती हिंगलिश की मानसिकता -अमित कुमार कौशल 44

रिपोर्ट : वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार पद्मश्री डॉ. शीला झुनझुनवाला की पुस्तक 'पतझड़ में बसंत' का हुआ भव्य लोकार्पण -सुषमा भण्डारी 46

रिपोर्ट : यूँ ही साथ-साथ चलते, कविताओं पर आधारित श्रुति नाट्य शैली का सफल मंचन -विजय शर्मा 47

रिपोर्ट : भारतीय परिवारों की चहेती लेखिका एवं कथाकार श्रीमती मालती जोशी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन -डॉ. वनीता शर्मा 49

हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी-एक परिचय -राजकुमार श्रेष्ठ 51

वयोधर्म -मारकण्डेय शारदेय 56

शुभकामना संदेश

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधान मंत्री

भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी, दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में 'भारतीय भाषा उत्सव' के आयोजन के बारे में जानकर प्रसन्नता हुई। इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन सराहनीय है।

विविधतापूर्ण संस्कृति व विभिन्न भाषाओं के पुष्पित-पल्लवित होने की पावन धरा के रूप में भारत की समृद्ध विरासत गौरवशाली है। भारतीय भाषाओं में समाहित ज्ञान का विपुल भंडार सदियों से हमारी निरंतर प्रगति का आधार रहा है। जन-जन के भावों व विचारों को व्यक्त करने का माध्यम और एक दूसरे से जुड़ाव को मजबूती देती हमारी भाषाएं देशवासियों की एकता व एकजुटता को सशक्त करती है।

यह देखना सुखद है कि आज भारतीय भाषाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं और इन्हें सीखने-बोलने वालों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। भारत की प्रगति के साथ ही हमारी पहचान और परंपराओं में दुनिया की रुचि बढ़ रही है। विश्व की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की दिशा में ज्ञान, कला, संगीत, साहित्य और संस्कृति से जन-जन को जोड़ने में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी जैसे संस्थानों का योगदान उल्लेखनीय है।

अमृत काल में हम एक भव्य व विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तेजी से अग्रसर हैं। बदलते भारत में हमारे होनहार युवाओं को अपनी भाषा में सीखने और स्वयं को अभिव्यक्त करते हुए आगे बढ़ने का भरपूर अवसर मिले इस दिशा में हमने कई अहम् कदम उठाए हैं। इस कर्तव्य काल में अपनी विरासत पर गर्व के भाव को और मजबूत करने में भारतीय भाषाओं की बड़ी भूमिका होगी।

मुझे विश्वास है कि 'भारतीय भाषा उत्सव' के दौरान लोगों में अधिक से अधिक भारतीय भाषाओं को सीखने, भाषाई सौहार्द विकसित करने और देश के युवाओं को निज भाषा उन्नति के भाव के साथ देश व समाज के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

'भारतीय भाषा उत्सव' के आयोजन से जुड़े सभी लोगों, भारतीय भाषाओं के मेधावी छात्र एवं भाषा गौरव शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित हो रहे सभी साथियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

श्री रामबहादुर राय

अध्यक्ष, इ. गां. रा. कला केन्द्र

यह अत्यंत ही हर्ष का विषय है कि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में 'भारतीय भाषा दिवस' के अवसर पर 6 दिसंबर 2023 को तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में एक दिवसीय 'भारतीय भाषा उत्सव' के अंतर्गत 'मेधावी छात्र एवं भाषा गौरव शिक्षक सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम विकसित भारत तथा आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को मूर्त रूप देने वाला है। एक देश का सामाजिक और आर्थिक विकास उस देश की भाषाओं पर निर्भर है। भाषाएं हमारी सृजनशीलता और रचनात्मकता की द्योतक हैं। यह हमारी सांस्कृतिक चेतना और उन्नति का मूल आधार हैं। भारतीय भाषाओं प्रोत्साहित करने की दिशा में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र का यह प्रयास सराहनीय है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि 'भारतीय भाषा उत्सव' के माध्यम से केन्द्र संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में अग्रसर है। इस अवसर पर प्रकाशित की जाने वाली "स्मारिका" अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सार्थक सिद्ध होगी । मैं अपनी ओर से इस कार्य के लिए इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र तथा उनके सहयोगियों की सराहना करता हूं तथा उन्हे हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

श्री धर्मेन्द्र प्रधान

माननीय शिक्षा; कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में भारतीय भाषा दिवस के अवसर पर 6 दिसंबर 2023 को तालकटोरा इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में एक दिवसीय 'भारतीय भाषा उत्सव' के उपलक्ष्य में भारतीय भाषाओं के 'मेधावी छात्र एवं भाषा गौरव शिक्षक सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

भारत एक सांस्कृतिक एवं भाषाई विविधता वाला देश है। अनेक भाषाओं के सह-अस्तित्व में होने के कारण, भाषाई विविधता हमारी प्राचीन सभ्यता की आधारशिला भी है। भाषाएं हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी' तथा सामूहिक ज्ञान और बुद्धिमत्ता का भंडार' भी हैं जिसे संरक्षित करना हमारा परम कर्तव्य है।

भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति-2020 के तहत भारतीय भाषाओं में शिक्षा को विशेष महत्व दिया है। भारतीय भाषा उत्सव भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

यह कार्यक्रम निश्चित रूप से भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण आयाम है। इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली "स्मारिका" का कार्य प्रशंसनीय है। मैं इस पुनीत कार्य के लिए इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र तथा उनके सहयोगियों को शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

श्री जी. किशन रेड्डी

माननीय केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र एवं हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी संयुक्त तत्त्वावधान में भारतीय भाषा दिवस के अवसर पर 6 दिसंबर 2023 को तालकटोरा इंडोर स्टेडिय नई दिल्ली में एक दिवसीय 'भारतीय भाषा उत्सव' के उपलक्ष्य में भारतीय भाषाओं के 'मेधावी छात्र एवं भा गौरव शिक्षक सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

भारत एक बहुभाषी देश है इसकी सांस्कृतिक विविधता ही इसकी पहचान है। नई शिक्षा नीति-2020 में भी भारतीय भाषाओं को विशेष महत्व दिया गया है। "भाषाई सद्भाव" एवं भारतीय भाषाओं को सीखने के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करने की दिशा में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र की यह पहल सराहनीय है। यह उत्सव भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह हम सबके लिए गौरव एवं हर्ष का विषय है कि केन्द्र भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए कटिबद्ध है।

मुझे विश्वास है कि इस प्रयास के माध्यम से केन्द्र संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में अग्रसर है। इस अवसर पर प्रकाशित की जाने वाली "स्मारिका" अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रशंसनीय प्रयास है। मैं अपनी ओर से इस कार्य के लिए इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र तथा उनके सहयोगियों को शुभकामनाएं देता हूं।